# शिक्षक रहे राजाराम गोस्वामी की श्रद्धांजलि सभा में लगा जनजागरूकता शिविर

## मात्र 5 यूनिट रक्तदान ने बढ़ाई चिंता

**स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान, अंगदान-देहदान, नशामुक्ति और वृक्षारोपण से दिया सामाजिक सरोकार का संदेश, वैज्ञानिक सोच अपनाने की अपील**

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

ग्राम चिगलौआ में दिवंगत शिक्षक राजाराम गोस्वामी की श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट, ललितपुर द्वारा बहुआयामी जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण, अंगदान-देहदान जागरूकता, नशामुक्ति अभियान एवं वृक्षारोपण जैसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। हालांकि सैकड़ों लोगों की मौजूदगी के बावजूद केवल 5 यूनिट रक्तदान होने से रक्तदान के प्रति लोगों में व्याप्त झिझक और जागरूकता की कमी एक बार फिर उजागर हो गई। शिविर के दौरान 184 ग्रामीण महिला-पुरुषों तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय के 75 एवं प्राथमिक विद्यालय के 98 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, संतुलित जीवनशैली, नशामुक्ति, रक्तदान, अंगदान एवं देहदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही प्राथमिक विद्यालय, गौशाला एवं अंत्येष्टि स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे, लेकिन जब किसी अज्ञात जरूरतमंद का जीवन बचाने के लिए रक्तदान का अवसर आया तो अपेक्षित सहयोग नहीं मिला।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार के चिकित्सा अधीक्षक ने स्वयं सबसे पहले रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया, लेकिन इसके बावजूद पूरे शिविर में केवल एक चिकित्सक और ट्रस्ट से जुड़े चार सदस्यों सहित कुल 5 यूनिट रक्तदान ही हो सका। ट्रस्ट के अनुसार अब तक आयोजित पांच रक्तदान शिविरों में यह सबसे कम रक्तदान रहा। संस्था का मानना है कि यह स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति फैली भ्रांतियों, वैज्ञानिक सोच की कमी और व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता को दर्शाती है। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार के तीन चिकित्सकों, छह स्वास्थ्यकर्मियों, ट्रस्ट के दो चिकित्सकों, दो स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा छह सदस्यीय रक्तदान टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। ट्रस्ट के संस्थापक ने बताया कि ग्राम चिगलौआ उनका पैतृक गांव है। उन्होंने बताया कि उनकी जीवन संगिनी एवं प्रेरणास्रोत बोधिसत्व शांति साहू ने अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करते हुए निधन से दो दिन पूर्व अंगदान एवं देहदान का संकल्प लिया था। उसी प्रेरणा से ट्रस्ट लगातार रक्तदान, अंगदान, देहदान, स्वास्थ्य जागरूकता, नशामुक्ति और वैज्ञानिक सोच के प्रसार के लिए कार्य कर रहा है। संस्था ने कहा कि किसी भी श्रद्धांजलि का वास्तविक सम्मान तभी है, जब वह केवल पुष्प अर्पित करने तक सीमित न रहकर समाजहित के कार्यों में भी दिखाई दे। यदि श्रद्धांजलि सभाओं के साथ रक्तदान, अंगदान, देहदान और वैज्ञानिक सोच जैसे जनहितकारी संकल्प जुड़ जाएं, तो वे समाज के लिए वास्तविक प्रेरणा बन सकती हैं। एक शिक्षक, जिसने जीवनभर समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने का कार्य किया, उसे श्रद्धांजलि देने सैकड़ों लोग पहुंचे। श्रद्धा, संवेदनाएं और शब्दों की कोई कमी नहीं थी, लेकिन जब किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए कुछ मिनट का समय और कुछ मिलीलीटर रक्त देने का अवसर आया, तब केवल एक चिकित्सक और ट्रस्ट से जुड़े चार सदस्य ही आगे आए।

# शिक्षक रहे राजाराम गोस्वामी की श्रद्धांजलि सभा में लगा जनजागरूकता शिविर, मात्र 5 यूनिट रक्तदान ने बढ़ाई चिंता

## स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान, अंगदान-देहदान, नशामुक्ति और वृक्षारोपण से दिया सामाजिक सरोकार का संदेश, वैज्ञानिक सोच अपनाने की अपील

जनकल्याण मेल | ललितपुर

### विचारों से आगे- व्यवहार की कसौटी

एक शिक्षक, जिसने जीवनभर समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने का कार्य किया, उसे श्रद्धांजलि देने सैकड़ों लोग पहुंचे। श्रद्धा, संवेदनाएं और शब्दों की कोई कमी नहीं थी, लेकिन जब किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए कुछ मिनट का समय और कुछ मिलीलीटर रक्त देने का अवसर आया, तब केवल एक चिकित्सक और ट्रस्ट से जुड़े चार सदस्य ही आगे आए।

### श्रद्धांजलि देने वाले सैकड़ों थे, लेकिन जीवन बचाने वाले केवल पांच

यह दृश्य समाज के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है कि क्या हमारी संवेदनाएं केवल औपचारिकता तक सीमित हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि विचारों का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वे व्यवहार में दिखाई दें। समाज को केवल श्रद्धांजलि देने वाले नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में आगे बढ़कर मानव जीवन बचाने वाले जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों की आवश्यकता है।

ग्राम चिगलौआ में दिवंगत शिक्षक राजाराम गोस्वामी की श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट, ललितपुर द्वारा बहुआयामी जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण, अंगदान-देहदान जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान एवं वृक्षारोपण जैसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। हालांकि सैकड़ों लोगों की मौजूदगी के बावजूद केवल 5 यूनिट रक्तदान होने से रक्तदान के प्रति लोगों में व्याप्त झिझक और जागरूकता की कमी एक बार फिर उजागर हो गई। शिविर के दौरान 184 ग्रामीण महिला-पुरुषों तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय के 75 एवं प्राथमिक विद्यालय के 98 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, संतुलित जीवनशैली, नशामुक्ति, रक्तदान, अंगदान एवं देहदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही प्राथमिक विद्यालय, गौशाला एवं अंत्येष्टि स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे, लेकिन जब किसी अज्ञात जरूरतमंद का जीवन बचाने के लिए रक्तदान का अवसर आया तो अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार के चिकित्सा अधीक्षक ने स्वयं सबसे पहले रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया, लेकिन इसके बावजूद पूरे शिविर में केवल एक चिकित्सक और ट्रस्ट से जुड़े चार सदस्यों सहित कुल 5 यूनिट रक्तदान ही हो सका। ट्रस्ट के अनुसार अब तक आयोजित पांच रक्तदान शिविरों में यह सबसे कम रक्तदान रहा। संस्था का मानना है कि यह स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति फैली भ्रांतियों, वैज्ञानिक सोच की कमी और व्यापक जन जागरूकता की आवश्यकता को दर्शाती है। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार के तीन चिकित्सकों, छह स्वास्थ्य कर्मियों, ट्रस्ट के दो चिकित्सकों, दो स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा छह सदस्यीय रक्तदान टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। ट्रस्ट के संस्थापक ने बताया कि ग्राम चिगलौआ उनका पैतृक गांव है। उन्होंने बताया कि उनकी जीवन संगिनी एवं प्रेरणास्रोत बोधिसत्व शांति साहू ने अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करते हुए निधन से दो दिन पूर्व अंगदान एवं देहदान का संकल्प लिया था। उसी प्रेरणा से ट्रस्ट लगातार रक्तदान, अंगदान, देहदान, स्वास्थ्य जागरूकता, नशामुक्ति और वैज्ञानिक सोच के प्रसार के लिए कार्य कर रहा है। संस्था ने कहा कि किसी भी श्रद्धांजलि का वास्तविक सम्मान तभी है, जब वह केवल पुष्प अर्पित करने तक सीमित न रहकर समाज हित के कार्यों में भी दिखाई दे। यदि श्रद्धांजलि सभाओं के साथ रक्तदान, अंगदान, देहदान और वैज्ञानिक सोच जैसे जनहितकारी संकल्प जुड़ जाएं, तो वे समाज के लिए वास्तविक प्रेरणा बन सकती हैं।

8 राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
अवध की जंग
सुलतानपुर, शुक्रवार 24 जुलाई 2026

# शिक्षक रहे राजाराम गोस्वामी की श्रद्धांजलि सभा में लगा जन-जागरूकता शिविर, मात्र 5 यूनिट रक्तदान ने बढ़ाई चिंता

**• स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान, अंगदान-देहदान, नशामुक्ति और वृक्षारोपण से दिया सामाजिक सरोकार का संदेश, वैज्ञानिक सोच अपनाने की अपील**

**अवध की जंग**

**ललितपुर।** ग्राम चिगलौआ में दिवंगत शिक्षक राजाराम गोस्वामी की श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट, ललितपुर द्वारा बहुआयामी जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण, अंगदान-देहदान जागरूकता, नशामुक्ति अभियान एवं वृक्षारोपण जैसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। हालांकि सैकड़ों लोगों की मौजूदगी के बावजूद केवल 5 यूनिट रक्तदान होने से रक्तदान के प्रति लोगों में व्याप्त झिझक और जागरूकता की कमी एक बार फिर उजागर हो गई। शिविर के दौरान 184 ग्रामीण महिला-पुरुषों तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय के 75 एवं प्राथमिक विद्यालय के 98 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, संतुलित जीवनशैली, नशामुक्ति, रक्तदान, अंगदान एवं देहदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही प्राथमिक विद्यालय, गौशाला एवं अंत्येष्टि स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे, लेकिन जब किसी अज्ञात जरूरतमंद का जीवन बचाने के लिए रक्तदान का अवसर आया तो अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार के चिकित्सा अधीक्षक ने स्वयं सबसे पहले रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया, लेकिन इसके बावजूद पूरे शिविर में केवल एक चिकित्सक और ट्रस्ट से जुड़े चार सदस्यों सहित कुल 5 यूनिट रक्तदान ही हो सका। ट्रस्ट के अनुसार अब तक आयोजित पांच रक्तदान शिविरों में यह सबसे कम रक्तदान रहा। संस्था का मानना है कि यह स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति फैली भ्रांतियों, वैज्ञानिक सोच की कमी और व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता को दर्शाती है। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार के तीन चिकित्सकों, छह स्वास्थ्यकर्मियों, ट्रस्ट के दो चिकित्सकों, दो स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा छह सदस्यीय रक्तदान टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। ट्रस्ट के संस्थापक ने बताया कि ग्राम चिगलौआ उनका पैतृक गांव है। उन्होंने बताया कि उनकी जीवन संगिनी एवं प्रेरणास्रोत बोधिसत्व शांति साहू ने अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करते हुए निधन से दो दिन पूर्व अंगदान एवं देहदान का संकल्प लिया था। उसी प्रेरणा से ट्रस्ट लगातार रक्तदान, अंगदान, देहदान, स्वास्थ्य जागरूकता, नशामुक्ति और वैज्ञानिक सोच के प्रसार के लिए कार्य कर रहा है। संस्था ने कहा कि किसी भी श्रद्धांजलि का वास्तविक सम्मान तभी है, जब वह केवल पुष्प अर्पित करने तक सीमित न रहकर समाजहित के कार्यों में भी दिखाई दे। यदि श्रद्धांजलि सभाओं के साथ रक्तदान, अंगदान, देहदान और वैज्ञानिक सोच जैसे जनहितकारी संकल्प जुड़ जाएं, तो वे समाज के लिए वास्तविक प्रेरणा बन सकती हैं।विचारों से आगे- व्यवहार की कसौटीएक शिक्षक, जिसने जीवनभर समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने का कार्य किया, उसे श्रद्धांजलि देने सैकड़ों लोग पहुंचे। श्रद्धा, संवेदनाएं और शब्दों की कोई कमी नहीं थी, लेकिन जब किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए कुछ मिनट का समय और कुछ मिलीलीटर रक्त देने का अवसर आया, तब केवल एक चिकित्सक और ट्रस्ट से जुड़े चार सदस्य ही आगे आए।श्रद्धांजलि देने वाले सैकड़ों थे, लेकिन जीवन बचाने वाले केवल पांचयह दृश्य समाज के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है कि क्या हमारी संवेदनाएं केवल औपचारिकता तक सीमित हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि विचारों का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वे व्यवहार में दिखाई दें। समाज को केवल श्रद्धांजलि देने वाले नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में आगे बढ़कर मानव जीवन बचाने वाले जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों की आवश्यकता है।

शिक्षा जीवन का आधार हैं, इसके बिना सब बेकार हैं।
स्वाशक्ती हास्य फिक्तिसा महाविद्यालय
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभान के संयुक्त तत्वावधान में
शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट
देवदूत फाउंडेशन, बिरघा
विशाल रक्तदान शिविर

रजि.नं. IV-46/2025
सत्यमेव जयते
https://shantidehdantrust.org/
स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में
शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट
(SDC. TRUST, LALITPUR U.P. 284403)
OPPO F15
2026/07/22 13:24

शान्ति देहदान चेरिटेबल ट्रस्ट
OPPO F15
2026/07/22 13:18

कक्षा-1
शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट
By SDC. Trust For-
OPPO F15
2026/07/22 13:29

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट
एवं देवदूत फाउंडेशन, बिरधा
ऑन कॉल रक्तदान रजि.
C. Trust For- Saving Life
कक्षा-2
प्रतिज्ञा
Jul 22, 2026, 14:11